

आईआईटी की मदद करेगा आईबीएम

आईआईटी इंदौर की तरक्की को जल्द की पंख लगाने वाले हैं। कई बड़ी कंपनियों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है। ये कंपनियां रिसर्च को बढ़ावा देने और अपने अनुसार स्टूडेंट्स को तैयार के लिए मदद का हाथ बढ़ा रही हैं। मंगलवार को आईबीएम ने पहली इंडस्ट्रियल मीट की।
सिटी रिपोर्टर »

आईआईटी इंदौर को एक साल पूरा हो चुका है। शुरुआती साल में ही संस्थान जगह बनाने में कामयाब हुआ है। कैम्पस से अच्छे स्टूडेंट्स मिल जाए, इसके लिए सबसे पहले आईबीएम आगे आया है। मंगलवार को कंपनी के अधिकारियों ने संस्थान में आईआईटी प्रशासन और स्टूडेंट्स के साथ मीट कर सहयोग देने की बात कही। आईबीएम के इंडियन यूनिवर्सिटी कंट्री मैनेजर भूषण केलकर ने स्टूडेंट्स को इंडस्ट्रियल क्षेत्र की जरूरतों से अवगत कराते हुए ब्रांड वेल्यू और प्रोडक्ट पेटेंट के बारे में बताया। यह मीट इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह पहला मौका है जब कोई बड़ी आईटी कंपनी ने आईआईटी कैम्पस में दस्तक दी।

कई कंपनियां समझौते की कोशिश में

अगले महीनों में आईआईटी में अन्य कंपनियों के अधिकारी भी विजिट कर सकते हैं। आईबीएम मीट के फायदे भी जल्द ही स्टूडेंट्स को देखने को मिल सकते हैं। देश के कई शहरों में कंपनी ने आधुनिक कम्प्यूटर लैब स्थापित की है। इसी तरह की कोई बड़ी सौगात यदि शहर को मिल गई तो स्टूडेंट्स सीधे कंपनी के संपर्क में रहकर प्रैक्टिकल नॉलेज भी ले सकेंगे।